वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 286 | शनिवार 11 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

500 में गैस सिलेण्डर

चिरंजीवी का दायरा 25,00,000/- रुपए हुआ

'जादूगर' का गेमचेंजर बजट

युवाओं-किसानों-महिलाओं के लिए सौगातों की बौछार

अशोक गहलोत ने पेश किया इस कार्यकाल का अंतिम बजट, मुफ्त बिजली, सरकारी नौकरी और ठेका प्रथा को समाप्त करने सहित की कई बड़ी घोषणाएं

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस कार्यकाल का अंतिम बजट पेश किया। इसमें कई घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आगामी वर्ष से मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना प्रारंभ करते हुए 100 यूनिट प्रति माह बिजली का उपभोग करने वाले उपभोक्ताओं को निःशुल्क बिजली देने की घोषणा की। अब तक शुरूआती 50 यूनिट फ्री दी जा रही है। वहीं, 76 लाख परिवारों को आगामी वर्ष से गैस सिलेंडर 500 रुपए में मिलेंगे। सीएम गहलोत का कहना है कि भाजपा चाहती है कि गरीबों का सिलेंडर 1 हजार रुपए से बढ़कर 2 हजार रुपए हो जाए। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार ने आज बजट में उज्ज्वला गैस सिलेंडर 500 रु का कर दिया है। भाजपा निराधार व व्यर्थ की बातें कर रही है क्योंकि इनको ये पसंद नहीं है कि गरीब आदमी पर महंगाई की मार कम हो। भाजपा = महंगाई, कांग्रेस = बचत। मुख्यमंत्री ने कोविड-19 के कारण अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को वयस्क होने पर सरकारी नौकरी देने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत बड़ी सौगात देते हुए 'मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना' में प्रति परिवार बीमा राशि 10 लाख से बढ़ाकर 25 लाख करने की घोषणा की। साथ ही दुर्घटना बीमा राशि 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख करने की घोषणा की। प्रदेश के सभी एहर परिवारों को 'मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना' का लाभ निःशुल्क मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा है कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में लाखों रुपए लग जाते हैं लेकिन जान बच जाती है। भाजपा चाहती है कि सिर्फ अमीर आदमी अपना इलाज करा सके।

नये भारत के युवाओं को स्थानीय उत्पादों में सुधार के साथ उनके वैश्विक स्तर पर विपणन के नये मार्ग खोलने होंगे : राज्यपाल कलराज मिश्र

निफ्ट जोधपुर का दीक्षांत समारोह सम्पन्न, राज्यपाल ने स्वर्ण पदक एवं उपाधियां प्रदान की

शाबाश इंडिया/अमन जैन कोटखावदा

जोधपुर। फैशन प्रौद्योगिकी सीधे तौर पर फैशन उद्योग और स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों से जुड़ी हुई है। आज नये भारत के युवाओं को स्थानीय उत्पादों में सुधार के साथ उनके वैश्विक स्तर पर विपणन के नवीन मार्ग खुलने होंगे, इससे स्थानीय कारीगरों के जीवन स्तर में ही सुधार नहीं होगा बल्कि औद्योगिक दृष्टि से भी देश तेजी से आगे बढेगा। यह बात राज्यपाल कलराज मिश्र ने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्यौगिकी संस्थान में शुक्रवार को आयोजित दीक्षांत समारोह में कहीं। कलराज मिश्र ने कहा कि यह प्रौद्योगिकी संस्थान फैशन तकनीक से जुड़ा है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण है कि इस संस्थान में वह शिक्षा दी जाती है, जो हमारे हस्तशिल्प कौशल और ज्ञान की आधुनिकी से जुड़ी है। शब्दकोष में फैशन का अर्थ देखेंगे तो मिलेगा– बनाव सिंगार, सजावट आदि का नया, अच्छा या लोकप्रिय ढंग। या फिर वह अवस्था जिसमें कोई वस्तु या बात बराबर व्यवहार में आती या चलती रहती है। मूल रूप से फैशन का माने होता है–प्रचलन में जो है। हमारे यहा वस्त्र विन्यास और जीवन को संवारने से संबंधित बहुत से ढंग प्राचीनकाल से चले आ रहे हैं। दौर बदलता है और वह सब पुराना होता जाता है। परन्तु बहुत बार यह भी होता है कि वह पुराना ही नए युग में लौट–लौटकर फिर से नए रूप में आता रहता है। यही फैशन है। उन्होंने स्टूडेन्ट्स को सलाह दी कि जितनी गंभीरता से फैशन के जरिए जीवनगत आ रहे परिवर्तनों को समझने का आप प्रयास करते जाएंगे– उतने ही अच्छे भविष्य के फैशन डिजाईनर के रूप में आपकी पहचान हो सकेगी। क्योंकि आज भारतीय फैशन उद्योग प्रचुर संभावनाओं वाला क्षेत्र है। हमारे यहां हस्तशिल्प और वस्त्र विन्यास की जो परम्पराएं रही हैं उनमें बहुत अधिक विविधता रही है। ऐसे समय में जब सब कुछ ग्लोबल हो रहा है यह जरूरी है कि विविधता की हमारी जो संस्कृति है, उसको समाहित करते हुए ऐसी फैशन तकनीक विकसित की जाए, जो विश्वभर में लोकप्रिय हों। इस प्रकार परम्परा में कैसे आधुनिकता के संस्कार डालते हुए नवीनतम फैशन उत्पाद तैयार किए जाएं, इसके लिए अध्ययन, मनन और बाजार की मांग इन तीनों की की जरूरत होती है। इसलिए इन तीनों के प्रति सजग रहते हुए कार्य करेंगे तो सदा ही अच्छे परिणाम प्राप्त होंगें। उन्होंने युवाओं से अपनी प्रतिभा का उपयोग समाज एवं देश के लिए समर्पित करने का आह्वान किया। समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि दीक्षांत का अर्थ होता है ज्ञान से विद्यार्थी को संस्कारित करने की पूर्णता। शिक्षा के आलोक से विद्यार्थी जीवनभर अपने साथ–साथ दूसरों को भी सही राह दिखा सकता है। कलराज मिश्र ने इस मौके पर संविधान की उद्देशिका एवं मूल कर्तव्यों का वाचन किया। उन्होंने संविधान को अपने आचरण एवं व्यवहार पर लाने का आह्वान किया और कहा कि इससे समाज एवं देश विकसित और सुदृढ़ होगा। सभी इसे आत्मसात करते हुए मूल अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी ध्यान में रखकर जीवन व्यवहार अपनाएं। समारोह में राज्यपाल कलराज मिश्र की संस्थान के निदेशक प्रोफेसर जीएचएस प्रसाद ने अगुवानी कर अभिनंदन किया। राष्टगान के बाद राज्यपाल कलराज मिश्र, निदेशक प्रोफेसर जीएचएस प्रसाद और डीन एकेडमिक प्रो सुधा ढ़ींगरा ने दीप प्रज्जवलन कर दीक्षांत समारोह की शुरूआत की। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर जीएचएस प्रसाद ने बताया कि दीक्षांत समारोह में 20 मेधावी स्टूडेन्ट्स को मैडल एवं 188 स्टूडेन्ट्स को डिग्री वितरित की गई। इस मौके पर प्रसाद ने अकादमिक रिपोर्ट प्रस्तुति की।

स्वर्ण पदक पाकर खिले चेहरे

दीक्षांत समारोह में वर्ष 2022 के कुल 20 स्टूडेन्ट्स को स्वर्ण पदक प्रदान किये गए। राज्यपाल की ओर से विद्यार्थियों को मैडल पहनाने पर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस प्रकार समारोह में बेस्ट एकेडमिक परफॉर्मेंस अवार्ड कैटेगरी में मालवीका, भाविका पारीक, भवनि शर्मा, सुयश, सुरभि बजाज, सव्यसाची अरोडा ने और निफ्ट मेधावी अवार्ड कैटेगरी में आरूषी गोयल, सपना शेरावत, भाविका पारीक, अनुष्का, स्तुति मल्होत्रा, जेहराइंसा,शुभम, निष्ठा चौधरी, सुरभि, मोहनी, हर्ष, सव्यसाची ने और निफ्ट स्टूडेन्ट्स आफ द ईयर में हर्ष कौशल और निफ्ट एक्स्ट्रा आर्डिनरी सर्विस अवार्ड में भाविका पारीक ने बाजी मारी। उल्लेखनीय है कि समारोह में निफ्ट मुख्यालय की डीन अकादमिक प्रोफेसर सुधा ढींगरा, आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रो. शान्तनु चौधरी, निफ्ट पंचकुला के निदेशक प्रोफेसर अमनदीप, कैंपस अकादमिक समन्वयक डॉ. शिखा गुप्ता सहित सभी संकाय सदस्य और आज अपनी उपाधि लेने आये छात्र–छात्राओं माता–पिता मौजूद रहें। समारोह में निफ्ट जोधपुर के संयुक्त निदेशक अनिल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

नारी के सघन संघर्ष और वैचारिक मंथन का दस्तावेज है वैखरी...

रागिनी शर्मा लिखित उपन्यास का विमोचन एवम विमर्श कार्यक्रम

मां सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पित कर मुख्य वक्ता डॉ. मंजू चतुर्वेदी ने इस उपन्यास को नारी के सघन संघर्ष का दस्तावेज बताया

उदयपुर. शाबाश इंडिया

प्रसंग संस्थान एवं वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय उदयपुर केन्द्र के साझे में शुक्रवार को रागिनी शर्मा (एडवोकेट) लिखित वैखरी उपन्यास का विमोचन एवं विमर्श कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि ख्यात आलोचक माधव हाड़ा थे। अध्यक्षता राजस्थान साहित्य अकादमी अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने की। मां सरस्वती को पुष्पांजलि अर्पित कर मुख्य वक्ता डॉ. मंजू चतुर्वेदी ने इस उपन्यास को नारी के सघन संघर्ष और वैचारिक मंथन का दस्तावेज बताया। वहीं कार्यक्रम की अगली कड़ी में डॉ. मधु अग्रवाल ने इसे एक अधिवक्ता की अनुपम कथा कृति करार दिया। प्रो. माधव हाड़ा ने वैखरी का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके कथा भाव को संतों की उस वाणी से तुलना की और कहा कि इसमें जीवन का ऐसा सच छिपा है जो कल था आज भी है और आने वाले कल भी प्रभावी बना रहेगा। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. दुलाराम सहारण ने कहा कि डेढ़ सौ से अधिक पृष्ठों में लिखे इस उपन्यास में लेखिका रागिनी ने नायिका अमृता पति अमित और मित्र आकाश के माध्यम से अंतर्मन के स्वरों की यात्रा और मूलतः नारी द्वंद्व का प्रभावी चित्रण किया है। साथ ही समाज में व्याप्त अनेक बुराइयों को बेहद सलीके से उकेरने के लिए मेवाड़ धरा की संवेदनशील उपन्यास लेखिका को बधाई दी। इस अवसर पर वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, उदयपुर केंद्र निदेशक डॉ. रश्मि बोहरा ने उपन्यास की महत्त्वाकांक्षी नायिका के चरित्र चित्रण और उनकी पूर्ति के तौर तरीके पर विचार रखते हुए अंततः उसके हृदय परिवर्तन होने वाले प्रसंग को खासा सराहा। प्रो. इंदिरा जैन ने कहा कि लेखिका ने इस उपन्यास में समसामयिक

विषय पर जिस संजीदगी से कलम चलाई है वो प्रशंसनीय है। इस अवसर पर प्रतिभाशाली लेखिका नीलम शर्मा ने कहा कि वैखरी में नारी संकल्प, सामाजिक विद्रूपता और नियति की छटपटाहट का सजीव चित्रण नजर आता है। उपन्यास लेखिका रागिनी ने कहा कि जर्नी टू सेल्फ के जरिए वैखरी में मैंने राजनीति में महिला की स्थिति, मेवाड़ अंचल में आदिवासी बहुल क्षेत्रों की समस्याओं सहित अन्य कई सामाजिक बुराइयों पर कटाक्ष करते अंततः समाज में सकारात्मक परिवर्तन की आशा को जिलाये रखा है। बाद की कड़ियों में डॉ. चंद्रकांता बंसल, डॉ. जे पी पंड्या ज्योतिपुंज, डॉ. ऋतु मथारू और ऋतु शर्मा ने भी विचार रखे। समापन से पूर्व डॉ. मनोहर श्रीमाली ने छंद प्रस्तुत किए। शिवरतन तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. इंद्र प्रकाश श्रीमाली ने किया। **रिपोर्ट/फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल:9829050939**

संयुक्त परिवार ही जीवन में सुख शांति समृद्धि देता है : अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागर महाराज

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

परम पूज्य अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर महामुनिराज महापारणा ओर पंचकल्याणक महामहोत्सव ओर सिद्धायतन के पंचकल्याणक के कार्यक्रम के बीच भव्य मंगल आगमन बीसपंथी कोठी मधुबन में हुवा। मंगल आगमन की बेला में हजारों यात्रियों ओ संबोधन करते हुवे कहा कि संयुक्त परिवार ही जीवन में सुख शांति और समृद्धि देता है। वृक्ष की डाल से टूटते हुये पत्ते ने कहा - बोझ बन जाओगे तो अपने भी गिरा देंगे। घर परिवारों में लम्बे समय बाद देखने और सुनने को मिल रहा है कि एक छत के नीचे रहने वाले लोग भी अपने आपको अकेला महसूस करने लगे हैं।

अपने संग साथ रहने वाले लोग भी यात्री और अतिथि जैसे हो गये हैं। रिश्ते सौदा बनकर रह गए। घर-परिवार में अपने ही अपनों का शोषण करने लगे। इसलिए आज हमारे घर परिवारों से माता बहिने बाहर निकल आई है। घर से बाहर निकलने के दो कारण हैं... एक आर्थिक व्यवस्था और दूसरा अकेलापन। माता बहिने कितना ही पैसा कमा ले लेकिन उनकी ज़िन्दगी से संघर्ष और शोषण कम नहीं हुआ। तभी हमारे बड़े बुजुर्गों ने संयुक्त परिवार की व्यवस्था बनाई थी और हम आप उनकी वरदानी छांव में हँसते मुस्कुराते निश्चिंत होकर, तब दिन ही नहीं - वर्ष भी नहीं - पीढियां जैसे पल में बड़ी खड़ी हो जाती थी। जैसे- जैसे परिवार बढ़ता, पुराने मकानों में, नये हिस्से जुड़ते जाते । ना सुरक्षा की कमी लगती, ना अकेलापन और ना मन को सहारों की जरूरत पड़ती थी। अब-जब घर परिवारों में- ये तेरा, ये मेरा का नजरिया बदला और देखा देखी के प्रभाव ने जड़े जमाना यूं शुरू किया कि पुराने मजबूत वृक्षों की जड़ो में जैसे - मट्ठा पड़ गया हो। निजी स्वार्थ और लोभ-लालच के प्रभाव ने घर परिवारों से मन के रिश्तों को खत्म कर दिया । इसलिए आज कोई भी किसी भी रिश्तों में आत्मीय अपनापन का स्वाद नहीं है।

वेद ज्ञान

अपने कर्मों का फल

अपने दैनिक जीवन में वैसे तो हम कई प्रकार के कार्यों का निष्पादन करते हैं जिनमें से कुछ कार्य सार्थक होते हैं और कुछ कार्य निरर्थक। किसी भी उद्देश्य के साथ किए गए कार्य को सार्थक कार्य कहते हैं। 'सार्थक कार्य' का समुचित फल अवश्य मिलता है, जबकि किसी उद्देश्य के बगैर किए गए कार्य को निरर्थक कार्य कहा जाता है। लिहाजा इसका समुचित फल भी प्राप्त नहीं होता। हम जिस किसी भी कार्य को निष्ठापूर्वक करते हैं उसका फल हमें अवश्य मिलता है। मनुष्य जो कुछ भी करता है वह सब कर्म है, लेकिन इनमें से कुछ कर्म सार्थक होते हैं और कुछ निरर्थक। मेरा मानना है कि जो भी व्यक्ति ईश्वर को समर्पित होकर कर्म करता है उसका कर्म कभी निष्फल नहीं होता, लेकिन ऐसा प्रत्येक कर्म निष्फल हो जाता है जिसमें कर्ता को अभिमान का बोध होता है। ऐसा कहा जाता है कि जब कर्ता में अभिमान का विसर्जन हो जाए तो उसके द्वारा किया गया कर्म सार्थक बन जाता है। वैसे भी कर्म का फल उसी को मिलता है जो निष्ठापूर्वक और निराभिमान होकर कर्म करता है, लेकिन जो लोग कर्म के प्रति निष्ठावान नहीं होते और कर्म करने के पूर्व ही फल के प्रति आकांक्षी हो जाते हैं वे जीवन में किसी भी फल की प्राप्ति नहीं कर सकते। यह सोचकर कि कर्म का फल तो मिलना ही है, यदि हम निष्काम कर्म करेंगे तो उसका परिणाम तो मिलेगा ही। दूसरी ओर यदि कोई कर्म न करे और जीवनभर फल की कामना करता रहे तो उसे जीवन में अमृतकलश की प्राप्ति नहीं हो सकती। रामचरितमानस के एक संदर्भ में लंकापति रावण ने इसी को स्पष्ट करते हुए लक्ष्मण के संदर्भ में कहा है कि जो व्यक्ति जमीन पर पड़ा हो और हाथ से आकाश पकड़ना चाहता हो वह मूर्ख नहीं है तो और क्या है। दरअसल गोस्वामी तुलसीदास जी ने यहां रावण के मुख से एक बहुत बड़े सत्य का खुलासा कराया है, लेकिन ऐसा केवल लक्ष्मण के संबंध में ही नहीं कहा जा सकता। यह तो हम सभी के लिए भी उपयुक्त है। ऐसा इसलिए, क्योंकि जो कर्म नहीं करे, अपने कर्तव्य को भुला दे, पराश्रित होकर जीवन जीने का प्रयास करे और जीवन को व्यवस्थित करने का कोई प्रयास न करे उसके जीवन में कोई उपलब्धि नहीं हो पाती। हम सभी का जीवन उद्देश्यपूर्ण है।

संपादकीय

महिला खिलाड़ियों की मुश्किल राह

पिछले दिनों महिला खिलाड़ियों के यौन शोषण को लेकर जैसा विरोध प्रदर्शन देखा गया, उससे यही जाहिर हुआ कि खेल के मैदान में महिलाओं के सामने कई तरह की अड़चनें खड़ी हैं। हाल में कुछ महिला खिलाड़ियों या प्रशिक्षकों की ओर से यौन शोषण की शिकायतों से उठा मसला अभी किसी हल तक नहीं पहुंचा है कि अब दिल्ली में एक कबड्डी खिलाड़ी ने अपने प्रशिक्षक पर बलात्कार और भयादोहन का आरोप लगाया है। पुलिस के पास दर्ज मामले के मुताबिक एक महिला खिलाड़ी का कहना है कि उसका प्रशिक्षक न सिर्फ सात साल से बलात्कार कर रहा है, बल्कि उसने धमकी देकर उससे काफी धन भी ऐंठ लिए। गौरतलब है कि पीड़ित महिला

एशियाई खेलों में देश के लिए रजत पदक जीतने वाली कबड्डी टीम की खिलाड़ी रही है। आम आपराधिक मानसिकता वाले व्यक्ति की महिलाओं के खिलाफ हरकतें छिपी नहीं हैं, लेकिन खेलों की दुनिया में इस तरह की घटनाएं ज्यादा शर्मनाक हैं। सवाल है कि प्रशिक्षक जैसी महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी को ताक पर रख कर कोई व्यक्ति महिलाओं के खिलाफ अपराधियों जैसी हरकतें कैसे करने लगता है! महिला खिलाड़ियों के यौन शोषण की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। कई बार हालात की जटिलता की वजह से कुछ महिलाएं अपने शोषण के खिलाफ बोल भी नहीं पातीं। यह कोई छिपी बात नहीं है कि महिलाओं का घर की दहलीज से बाहर निकल कर पढ़ना-लिखना और उससे आगे खेलों की दुनिया में अपनी जगह बनाना आज भी किस तरह की चुनौतियों से घिरा हुआ है। होना यह चाहिए था कि अगर कोई लड़की किसी खेल में अपनी काबिलियत साबित करना चाहती है तो उसका हौसला बढ़ा कर न सिर्फ बेहतरीन प्रशिक्षकों के जरिए उसकी प्रतिभा को निखारा जाए, बल्कि देश और समाज के हक में भी उसे एक उदाहरण बनाया जाए। लेकिन अफसोसनाक यह है कि एक पारंपरिक ढांचे के समाज में तमाम अड़चनों से निकल कर किसी खेल में अपने और देश के लिए कुछ करने का सपना पालने वाली लड़की का अपराधी कई बार उसका प्रशिक्षक ही निकल जाता है। जिसके भरोसे कोई लड़की किसी खेल में देश को एक नई ऊंचाई देना चाहती है, वही प्रशिक्षक उसके व्यक्तित्व और सपने को छिन्न-भिन्न कर डालता है। सही है कि खेलों की दुनिया में सभी लोग ऐसी आपराधिक मानसिकता वाले नहीं होते। ऐसे प्रशिक्षकों की लंबी सूची है, जिनके निर्देशन और सहयोग के बूते बहुत सारी महिला खिलाड़ियों ने दुनिया भर में अपनी काबिलियत साबित की है। मगर इसी बीच कुछ प्रशिक्षकों की आपराधिक हरकतों की वजह से किसी महिला खिलाड़ी के टूट जाने की खबरें भी आती हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

पुरानी पेंशन स्कीम

पुरानी पेंशन योजना लागू करने का मुद्दा अब जोर पकड़ने लगा है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री ने संसद में बताया कि पांच राज्यों- राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, पंजाब और हिमाचल प्रदेश- ने नई की जगह पुरानी पेंशन योजना अपनाने के अपने फैसले से केंद्र सरकार को अवगत कराया है। हालांकि इसमें केंद्र उन्हें किस प्रकार की मदद दे सकेगा, इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है। फिर भी पुरानी पेंशन योजना लागू होने से संबंधित राज्यों के कर्मचारियों में स्वाभाविक ही उत्साह है। करीब अठारह साल पहले नई पेंशन योजना, जिसे राष्ट्रीय पेंशन योजना के नाम से जाना जाता है, लागू की गई थी। तभी से उसे बहाल करने की मांग होती रही है। इसलिए कि नई पेंशन योजना में पहले की तरह मूल वेतन और महंगाई भत्ते के आधार पर पेंशन तय नहीं होती, बल्कि नौकरी के दौरान कर्मचारी के वेतन से जो राशि काट कर जमा की जाती है, उसी में से पेंशन दी जाती है। इस तरह बहुत सारे कर्मचारियों को पांच सौ से लेकर दो हजार रुपए तक ही पेंशन मिल पाती है। न्यूनतम पेंशन की सीमा भी सभी जगह तय नहीं है। ऐसे में स्वाभाविक ही नौकरी के बाद बहुत सारे लोगों के सामने गुजर-बसर की मुश्किलें पैदा हो जाती हैं। नई पेंशन योजना में सरकार पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ता। कर्मचारियों के वेतन से जो पैसा कटता है, उसका पचासी प्रतिशत हिस्सा सरकारी प्रतिभूतियों और बाकी का पंद्रह प्रतिशत खुले बाजार यानी शेयर बाजार में निवेश कर दिया जाता है और उसी से अवकाश प्राप्ति के बाद कर्मचारियों को पेंशन का भुगतान किया जाता है। मगर कई कर्मचारियों की सेवा अवधि कम होने की वजह से यह रकम इतनी कम होती है कि उनके सामने भरण-पोषण, इलाज आदि को लेकर असुरक्षाबोध बना रहता है। कल्याणकारी सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सेवा काल के बाद भी अपने कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा का खयाल रखे। मगर नई पेंशन योजना में वह मकसद ही खत्म हो गया। इसलिए कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग करते रहे हैं। अच्छी बात है कि पांच राज्य सरकारों ने पुरानी पेंशन योजना को अपना लिया है। मगर इसके पीछे राजनीतिक गणित साधने का प्रयास अधिक दिखाई देता है। हालांकि इन राज्य सरकारों ने हिसाब लगा कर कहा है कि नई से पुरानी पेंशन योजना में लौटने पर उन्हें बहुत आर्थिक दबाव नहीं झेलना पड़ेगा। मगर वास्तविक धरातल पर इसे लागू करना फिलहाल आसान काम नहीं लगता। दरअसल, पेंशन राज्य सरकारों का विषय है, इसीलिए जब नई पेंशन योजना लागू हुई तो पश्चिम बंगाल सरकार ने उसे नहीं अपनाया। अब जिन राज्यों ने पुरानी योजना पर लौटने का फैसला किया है, उन्होंने इसे अपना चुनावी वादा बनाया था या उनका मकसद आने वाले चुनावों में इसे भुनाने का है। मगर तकनीकी अड़चन यह है कि नई पेंशन योजना के तहत काटा गया कर्मचारियों का अंशदान प्रतिभूतियों में लगा हुआ है और करार के तहत उसे राज्य सरकारें एक साथ वापस निकाल नहीं सकतीं। ऐसे में उन्हें पुरानी पेंशन योजना के तहत अपनी तरफ से काफी धन खर्च करना पड़ेगा। फिर, इसमें लगता नहीं कि केंद्र सरकार कोई मदद करेगी। इसलिए देखने की बात है कि राज्य सरकारें इसके लिए धन का प्रबंध कहां से और कैसे करती हैं। अगर वे इस दिशा में सफल होती हैं, तो निस्संदेह दूसरी सरकारों पर दबाव बनेगा।

विरागोदय महामस्तकाभिषेक

मे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा के गजरथ परिक्रमा के साक्षी बने लाखों लोग

राजेश रागी / रत्नेश जैन बकस्वाहा.
शाबाश इंडिया

पथरिया, दमोह। विरागोदय महामहोत्सव में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा व गजरथ महोत्सव के अंतिम दिवस शुक्रवार की सुबह भगवान आदिनाथ का मोक्ष कल्याणक विधि विधान के साथ संपन्न हुआ। प्रतिष्ठाचार्य वाणीभूषण पं. हँसमुख जी धरियावाद ने पंचकल्याणक की सारी क्रियाएं सम्पन्न कराई। इस अवसर पर गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में भगवान के मोक्ष कल्याण पर प्रकाश डाला एवं भक्तों के द्वारा पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त किया।गणाचार्य श्री विराग सागर जी ने अपने मंगल प्रवचनों में सौधर्म इंद्र विनय मलैया समेत सभी 81- 81 पात्रो के लिए मंगल आशीर्वाद दिया एवं सभी कार्यकर्ता व पदाधिकारीयो को मंगल आशीर्वाद देते हुए कहा कि यह सब आपके मेहनत समर्पण के कारण पंचकल्याणक सानंद सम्पन्न हुआ।

मंत्री गोपाल भार्गव को किया सम्मानित

आचार्य श्री ने अपनी मंगल वाणी में मप्र शासन के लोक निर्माण विभाग मंत्री गोपाल भार्गव के लिए मंगल आशीर्वाद दिया और कहा कि आपने धर्म के लिए जो समर्पित भावना से गजरथ परिक्रमा एवं पथरिया के सभी पहुँच मार्गो के सड़क निर्माण एवं सुधार के कार्यो को तत्परता से कराया वह स्मरणीय एवं सराहनीय रहेगा। समिति के पदाधिकारियों ने मंत्री भार्गव को सम्मानित किया। इसके अलावा जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल,दमोह विधायक अजय टंडन, पथरिया विधायक रामबाई सिंह परिहार को उनकी समर्पित भावना सहयोग के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर अनेक जगह के अतितिथों को सम्मानित किया गया।

गजरथ सहित अनेक रथों की हुई सात परिक्रमा

पंचकल्याणक की पूजा व विश्वशांति महायज्ञ मे सभी पात्रो इंद्र इंद्रानियों सहित हजारों श्रद्धालुओं ने आहुति दी। दोपहर मे विरागोदय के विशाल कमल आकार के मंदिर की सात फेरियां अपार जनसमूह व श्रद्धालुओं के साथ रथों में सैकड़ों इंद्र इंद्रानियां श्रीजी को विराजमान किये सप्त परिक्रमा लगा रहे थे

लगाई गई । गजरथ की सातों परिक्रमा में पूज्य गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज एवं उनके संघस्थ 350 साधु संत साधवियां चल रहे थे जिनकी जयकारों से आकास गुंजायमान था। प्रथम गजरथ में सौधर्म इंद्र विनय मलैया कुबेर इंद्र अनिल कुबेर, प्रकाश चंद्र सराफ, राजेन्द्र सिंघई श्रीजी चमर ठुलाते सबार थे, इसके अलावा पांच स्वर्ण व रजत तथा अन्य जिसमे अनेक श्रध्दालुओं को सारथी बनने सौभाग्य प्राप्त हुआ,इस गजरथ परिक्रमा मे हाथी, घोड़े, वग्गियों मे धर्मध्वज लिये वही दिव्यघोष व बैण्ड संगीत की स्वरलहरियों के साथ नाचते झूमते अपार जनसमूह चल रहा था। कार्यक्रम के उपरांत सत्यपाल जैन ने प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारियों एवं सभी कार्यकताओं का आभार प्रकट किया।

भगवान महावीर की 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर

के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

के द्वारा

मुख्य प्रायोजक
R K GROUP
Kishangarh, Rajasthan
www.rkmarble.com | www.wondercement.com
WONDER CEMENT
EK PERFECT SHURUAAT

हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन

शनिवार, 25 फरवरी 2023

समय : सायं 7.00 बजे से

स्थान : भट्टारक जी की नशियां, नारायण सिंह सर्किल टोंक रोड़, जयपुर

आंमत्रित कविगण

श्री प्रताप फौजदार
(हास्य सम्राट)

श्री बुद्धि प्रकाश दाधीच
(हास्य एवं राज. गीतकार)

श्री शम्भू शिखर
(हास्य पैरोडी सम्राट)

श्री सुनील व्यास मुंबई
(हास्य व्यंग्य)

श्री पी.के.मस्त
(हास्य व्यंग्य)

स्वर कोकिला कल्पना शुक्ला
(श्रृंगार)

श्री कमलेश जैन 'वसन्त'
(मंच संचालन)

रक्तदान जीवन दान

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये ।।

RK GROUP WONDER CEMENT

विशाल रक्तदान शिविर आदिनाथ जयंती 16 मार्च से महावीर जयंती 3 अप्रेल तक

भगवान महावीर की 2621 वीं जन्म जंयती के पावन अवसर पर मानव सेवार्थ 2621 यूनिट रक्त एकत्र करने के विशाल लक्ष्य के साथ विभिन्न संस्थाओ के सहयोग से मानव सेवार्थ लगभग 40 स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किये जायेंगे ।

:: सहयोगी दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप ::

जयपुर मेंन, गुलाबी नगर, आदिनाथ, नवकार, जैन भारती, मैत्री, डायमंड, वर्धमान, पार्श्वनाथ, तीर्थंकर, ब्लू स्टार, पिंक पर्ल, वात्सल्य, संगिनी फॉरएवर, सम्यक, वीर, जनक श्री, स्वस्तिक, विराट, मालपुरा, गंगापुर सिटी, दौसा, सीकर, श्री महावीर जी .....

:: आयोजन समिति ::

मुख्य समन्वयक	परामर्शक	समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक	सह-समन्वयक
यश कमल - संगीता अजमेरा	दर्शन - विनीता बाकलीवाल	मनीष - शोभना लोंग्या	विनोद - हेमा सोगानी	चक्रेश -पिंकी जैन	राजेश - रानी पाटनी	अनिल - ज्योति जैन चौधरी

संयोजक :: डॉ. राजेन्द्र कुमार जैन, सुनील बज, कैलाश चन्द बिंदायका, मोहनलाल गंगवाल, श्रीमती प्रमिला शाह, सुनील जैन, प्रमोद सोनी, अनिल पाटनी, रवि सेठी, ईजी. पी.सी. छाबड़ा, डॉ. मोहन लाल जैन 'मणी', राजेश चौधरी, श्रीमती बीना टोंग्या, श्रीमती शकुन्तला बिन्दायका, महावीर बोहरा, नीरज जैन, सतीश बाकलीवाल, बसंत जैन

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

राजेश बड़जात्या	अनिल जैन IPS	महेन्द्र कुमार पाटनी	सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या	नवीन सेन जैन	यश कमल अजमेरा	अतुल बिलाला	पारस कुमार जैन	निर्मल संघी
अध्यक्ष	संस्थापक अध्यक्ष	वरिष्ठ परामर्शक	परामर्शक	परामर्शक	निवर्तमान अध्यक्ष	पूर्व अध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	महासचिव

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश–समता गोदिका	दिनेश–संगीता गंगवाल	मनीष–शोभना लोंग्या	सुनील–सुनीता गोदिका	चक्रेश–पिंकी जैन	राकेश–रेणु संघी	महेन्द्र–सुनिता कासलीवाल	अनिल–निशा संघी
अध्यक्ष	परामर्शक	कार्याध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव

अनिल–अनिता जैन	राजेश–रितु छाबड़ा	राजेश–रानी पाटनी	प्रदीप–प्राची बाकलीवाल	पवन–डॉ.अनामिका पापड़ीवाल	कमल–मंजु ढोलिया	राजेन्द्र–कुसुम जैन
कोषाध्यक्ष	संगठन सचिव	संगठन सचिव	संयुक्त सचिव	संयुक्त सचिव	सांस्कृतिक सचिव	खेल सचिव

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल–ज्योति चौधरी * डॉ अनुपम–विनीता जैन * सपन–रजनी छाबड़ा * नितेश–मीनू पाण्ड्या * विशेष आमंत्रित : अशोक–अर्चना पाटनी * अशोक सेठी

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9829067076, 9785074581, 9887555249

पूज्य समकितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा का शनिवार को होगा भीलवाड़ा जिले में प्रवेश

रविवार का प्रवास रहेगा शाहपुरा में

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। वर्ष 2022 का एतिहासिक चातुर्मास भीलवाड़ा शांतिभवन में करने वाले श्रमण संघीय सलाहकार भीष्म पितामह पूज्य सुमतिप्रकाशजी म.सा. के सुशिष्य आगममर्मज्ञ, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा के पावन चरण शनिवार को फिर भीलवाड़ा जिले की पुण्यधरा पर होंगे। गुरू निहाल नगरी मेरठ से उदयपुर होली चातुर्मास के लिए विहारयात्रा पर निकले पूज्य समकितमुनिजी म.सा. प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. एवं गायनकुशल जयवंतमुनिजी म.सा. आदि ठाणा शुक्रवार को अजमेर जिले के केकड़ी क्षेत्र के जूनिया से विहार कर भराई गांव पहुंचे। यहां उनका दिनभर प्रवास रहा। पूज्य मुनिश्री शनिवार सुबह भराई से विहार कर भीलवाड़ा जिले में प्रवेश करते हुए शाहपुरा उपखंड के बछखेड़ा पहुचेंगे। बछखेड़ा से विहार कर रविवार 12 फरवरी को शाहपुरा नगर में पहुचेंगे। संभावित विहार यात्रा के तहत पूज्य समकितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा के बड़ा महुआ होते हुए 15 फरवरी सुबह भीलवाड़ा शहर में पधारने की भावना है। विहारयात्रा के तहत मुनिश्री का 15-16 फरवरी को भीलवाड़ा शहर में प्रवास संभावित है। इसके बाद भीलवाड़ा से विहार कर मुनिश्री के 18 फरवरी को सुबह चित्तौड़गढ़ के आजोलिया का खेड़ा क्षेत्र में पहुंचने की भावना है। इसी दिन शाम को चंदेरिया क्षेत्र में प्रवास कर मुनिश्री के 19 फरवरी सुबह विहार कर चित्तौड़गढ़ शहर के खातरमहल में पहुंचने की भावना है। मुनिश्री के 20 फरवरी को चित्तौड़गढ़ से उदयपुर की दिशा में विहार करने के भाव है। मुनिश्री के उदयपुर होली चातुर्मास के लिए 26 फरवरी को पहुचने की भावना है। होली चातुर्मास उदयपुर के श्रीवर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संस्थान हिरणमगरी सेक्टर-4 में होगा। उदयपुर होली चातुर्मास के बाद मुनिश्री नासिक की ओर विहार करेंगे जहां उनके सानिध्य में 23 अप्रेल को अक्षय तृतीया पर वर्षीतप पारणा महोत्सव होंगा। उनका वर्ष 2023 का चातुर्मास पूना के आदिनाथ जैन स्थानक भवन के लिए घोषित हो चुका है।

न्यायमूर्ति विमला देवी जैन के नाम पर संशोधित हुए बिदवास स्कूल में होगा प्रतिभा सम्मान समारोह

राजेश रागी /राकेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

सागर। जिले के शासकीय हाई स्कूल विदवास का मध्य प्रदेश शासन द्वारा विगत वर्ष 2022 मे संशोधित नामकरण अधिसूचित कर न्यायमूर्ति श्रीमती विमला देवी जैन एकीकृत शासकीय हाई स्कूल विदवास जिला सागर मप्र. किया गया। अब इसी विद्यालय में 11 फरवरी 2023 शनिवार को प्रतिभा सम्मान एवं शिलालेख लोकार्पण समारोह विविध कार्यक्रमों के साथ गोविंद सिंह राजपूत मंत्री राजस्व एवं परिवहन मप्र शासन के मुख्य आतिथ्य एवं शैलेन्द्र जैन विधायक सागर की अध्यक्षता में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सुरेश जैन आईएएस भोपाल नैनागिरि सहित देश व विदेश के अनेक जनप्रतिनिधि ,राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी, गणमान्य नागरिक विशेष रुप से उपस्थित होकर गौरवान्वित करेंगे।

एसोसिएशन ऑफ टैक्स पेयर्स एंड प्रोफेशनल्स, राजस्थान

मुख्यमंत्री का आभार

जयपुर. शाबाश इंडिया। एसोसिएशन ऑफ टैक्स पेयर्स एंड प्रोफेशनल्स राजस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष विनोद पाटनी तथा महासचिव उमराव सिंह यादव ने संयुक्त रूप से बयान जारी कर बताया कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने बजट में एसोसिएशन ऑफ टैक्स पेयर्स एंड प्रोफेशनल्स राजस्थान द्वारा दिए गए बजट पूर्व अधिकतर सुझावों को स्वीकार कर टैक्स पेयर्स तथा टैक्स प्रोफेशनल्स को बहुत बड़ी राहत प्रदान की है। जैसा कि एसोसिएशन ने मांग की थी कि एमनेस्टी स्कीम की अवधि बढ़ाई जाए, जीएसटी और वैट की जटिलताओं का सरलीकरण किया जाए, रिप्स 2022 के दायरे को बढ़ाना, कोरोना के समय हुए व्यापारियों के नुकसान की भरपाई करना तथा एडवोकेट्स को सुविधाएं दी जाए। इन सभी मांगों को पूरी करते हुए सभी एमनेस्टी स्कीम्स को सितंबर 2023 तक करना, कोई नया टैक्स नहीं लगाना तथा जीएसटी व वैट के प्रावधानों का सरलीकरण करने तथा बीसीआर को 5करोड़ की सहायता देने ऐतिहासिक निर्णय लेने तथा स्वास्थ्य संबंधी योजना का दायरा बढ़ाने पर मुख्यमंत्री का आभार तथा कोटि कोटि धन्यवाद। यह एक ऐतिहासिक बजट है जिसमें सभी वर्गों का ध्यान रखते हुए बड़ी राहत प्रदान की है।

ललितपुर समाज ने की मिसाल कायम

जनक जननी आश्रम का हुआ उदघाटन

जो वृद्धजन यहां आये वे निराशा को तज कर अच्छी तरह से रहें : मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

ललितपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय संस्कृति में किसी भी वस्तु का उपभोग करने के पहले उसे किसी ना किसी परमार्थ से जोड़ दिया जाता है दूसरा किसी पुण्य हीन से जोड़ देना चाहिए पुण्य हीन अगर हमसे पुण्य हीन जुड़ा रहेगा तो हमारा पुण्य बढ़ता रहेगा पुण्यवान का साथ मिल ने पर आपका प्रभाव बढ़ता रहेगा भारत की एक अच्छी परम्परा आज हम एक ऐसी संस्था का उद्घाटन कर रहे हैं जिसे किस्मत ने सनाथ बनाया था लेकिन जिनकी संतान ने अपने मां बाप को अनाथ बना दिया उन्हें फिर से इन्होने सनाथ बना दिया। ललितपुर समाज ने इसका नाम अनाथ आश्रम नहीं रखा जनक जननी आश्रम रखा बहुत सुंदर स्थान बनाया। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि मुनि श्री के आशीर्वाद से ललितपुर जैन समाज ने वृद्धजन को व्यवस्थित जीवन यापन के लिए जनक जननी आश्रम की स्थापना कि मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद से इस आश्रम में जिनालय के साथ श्रमण संस्कृति संस्थान से विद्वान की सेवाएं भी ली जाएंगी। मुनि पुंगव ने कहा कि आज का दिन उन अनाथ माता पिता को समर्पित होने जा रहा है जिन्हें प्रकृति ने तो पूज्य पिता का दर्जा दिया लेकिन संतान ने जीते जी बेघर कर दिया ऐसे वृद्ध जन को सम्मान सहित जीवन जीना नहीं है जीवन को शिखर पर पहुंचाना है । मेरा मनना है कि व्रद्धा अवस्था में जठराग्नि मद हो जाती है इसलिए संजीव वजाज जितेन्द्र मुछ्ड़ वंटी जैन आदि ने बहुत मेहनत करके हमारे यहां मनाव सेवा को सर्वश्रेष्ठ कार्य माना गया इसको लेकर आप कार्य कर रहे हैं आप लोगों ने एक ऐसा पारम्थिक कार्य किया गया जो हमेशा हमेशा आपको दुआ देता रहेगा। इस कार्य के लिए 121 कार्यकर्ताओं का संगठन बन गया।

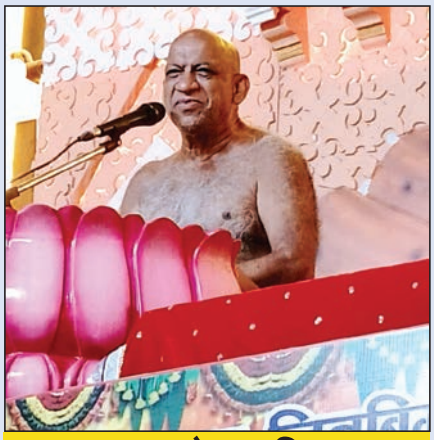

कमजोर व्यक्ति की मदद हमेशा करें

उन्होंने कहा कि दो लोगों पर आप क्रोध निकाल सकते हैं जो आपके बराबर का बलवान पर क्रोध करने से ज्यादा घाटा नहीं होगा क्योंकि उस पर कोई ज्यादा प्रभावा नहीं होगा यदि बलवान को थोड़ा गुस्सा आ गया तो दो झापड़ मारेगा और बात खत्म हो जायेगी लेकिन आप ने कमजोर पर क्रोध किया तो सारी शक्तियां कमजोर के पक्ष में चलीं जाती है कमजोर को कभी मत शताना कमजोर की हाय कंडे की आग की तरह होती है जैसे बाहर से कंडे की आग शांत दिखाई देती है लेकिन अंदर ही अंदर धधकती रहतीं हैं वैसे ही कमजोर का क्रोध बना रहता है कमजोर की हमेशा मदद करना।

गणिनी आर्यिका एवं दीक्षा दिवस 12 फरवरी को

12 को ज्ञानतीर्थ से मुरेना के लिए होगा विहार

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। गणिनी आर्यिका पदारोहण दिवस एवं दीक्षा दिवस समारोह मुरेना नगर में 12 एवं 13 फरवरी को भव्यता के साथ मनाया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार परम पूज्य सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी, मुनिश्री ज्ञातसागर जी, गणिनी आर्यिका लक्ष्मीभूषण माताजी, श्री स्वस्तिभूषण माताजी, श्री आर्षमति माताजी, श्री अंतसमति माताजी ससंघ ज्ञानतीर्थ क्षेत्र पर विराजमान हैं । पूज्य गणिनी आर्यिका श्री लक्ष्मीभूषण माताजी, स्वस्तिधाम प्रणेत्री, परम विदुषी लेखिका गुरुमां गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने सिंहरथ प्रवर्तक विद्याभूषण सन्मति सागर जी से आर्यिका दीक्षा ग्रहण की थी । सराकोद्धारक श्री ज्ञानसागर जी महाराज ने पूज्य गुरुमां को 13 फरवरी को अतिशय क्षेत्र जहाजपुर में गणिनी पद प्रदान किया था । इसी दिन अंतसमती माताजी एवं आर्षमति माताजी को आर्यिका दीक्षा प्रदान की गई थी। पूज्य आचार्य संघ एवं आर्यिका संघ रविवार 12 फरवरी को प्रातः कालीन वेला में ज्ञानतीर्थ से पद विहार कर नगर मुरेना में प्रवेश करेंगे । गणिनी आर्यिका लक्ष्मीभूषण माताजी, गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी का गणिनी पदारोहण दिवस एवं गणिनी आर्यिका आर्षमति माताजी व आर्यिका अंतसमती माताजी का दीक्षा दिवस महोत्सव जैन बगीची में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समारोह पूर्वक मनाया जा रहा है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री महावीर कॉलेज में प्लेसमेंट ड्राइव 2023 का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

शुक्रवार को श्री महावीर कॉलेज परिसर में प्लेसमेंट ड्राइव 2023 का आयोजन किया गया जिसमे कॉलेज ने उम्मीदवारों एवं कंपनियों से किसी भी प्रकार का कोई रजिस्ट्रेशन शुल्क नहीं लिया। प्लेसमेंट ड्राइव में 16 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया। ICICI Bank, Swatantra Micro Finance, Pizone Infotech, Teleperformance, Acolyte Technologies, Vipul Motors, Fincare, WFA Consultants, IBWC, ICICI Academy for skill, Sundram Finance, AU Small Finance Bank, ARL Infotech आदि कंपनियों ने मार्केटिंग एचआर ऑपरेशंस, फाइनेंस, बीपीओ, आईटी सेक्टर सेल्स मेनेजर कस्टमर रिलेशन ऑफिसर आदि पदो के लिए ऑफर किया। कंपनियों ने अभ्यर्थियों का चयन ग्रुप डिस्कशन व साक्षात्कार के माध्यम से किया। श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, कॉलेज कन्वीनर प्रमोद पाटनी और कॉलेज प्राचार्य डा0 आशीष गुप्ता ने विभिन्न कॉलेजों से आए हुए विद्यार्थियों को साक्षात्कार के लिए शुभकामनाएं दी। इस प्लेसमेंट डाइव में राजस्थान के विभिन्न कॉलेजों से लगभग 200 से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

गिरार गिरी पंचकल्याणक महोत्सव में भगवान के माता-पिता की गोद भराई का कार्यक्रम आयोजित

ललितपुर. शाबाश इंडिया। अतिशय क्षेत्र की गिरार गिरि में चर्या शिरोमणि आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के विशाल संघ सान्निध्य में 17 फरवरी से 22 फरवरी तक पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी तैयारियां व्यापक स्तर पर जारी हैं वहीं महोत्सव के पदाधिकारी घर-घर जाकर समाज श्रेष्ठि जनों, राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, प्रमुख लोगों को आमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित कर रहे हैं। ललितपुर में महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी आलोक सिंह, पुलिस अधीक्षक सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों को आमंत्रित किया वहीं विभिन्न प्रमुख लोगों को भी आमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित किया।

सहस्रकूट जिनालय स्थापना दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योति नगर जैन मन्दिर में निर्मित भव्य स्वर्ण आभा युक्त सहस्र कूट जिनालय की स्थापना दिवस के उपलक्ष पर दो दिवसीय आयोजन मन्दिर जी में रखे गए है ।दिनांक 11/02/23 शनिवार शाम को आरती के बाद साज बाज के साथ भक्ति संध्या का आयोजन महिला मण्डल व जैन युवा मंच के तत्वाधान में रखा गया है जिसमे जन जन की प्रिय भाषा में जैन भजन गायक राजा बाबू को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है ।दूसरे दिन रविवार को त्याग मूर्ति आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज व गणिनी आर्यिका गौरव मति माताजी के सानिध्य में वर्ष 2018 में हुये पंचकल्याणक की याद में भव्यता के साथ प्रातः जिनालय परिषर में मण्डल पर अभिषेक शान्तिधारा के बाद जिन सहस्र नाम मण्डल पूजन विधान का संगीतमय आयोजन रखा गया है । जिसमे पूजन के साथ भगवान के 1008 नामों के अर्घ्य विद्वान शिखर चन्द जैन के सानिध्य में समाज के श्रावकों द्वारा चढ़ाये जाएँगे ।इसके मध्य ही जैन पाठशाला के छब्बीस छोटे बच्चों को सांगानेर संस्थान के मंत्री सुरेश कासलीवाल की उपस्थिति में पुरूष्कृत किया जाएगा ।

नेहरू नगर के श्रीसीताराम मंदिर में भागवत कथा

धूमधाम से मनाया नंदोत्सव, लूटी उछालशरण में आए भक्तों के हरते हैं दुख- गोविन्द भैया महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेहरू नगर स्थित श्रीसीताराम जी मंदिर में चल रहे श्रीमद भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ में शुक्रवार को भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नंदोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर कथा आयोजक रामस्वरूप- गीता, सुधीर-सोनू व सुनील व शालू नाटाणी ने नन्द के आनन्द भयो जै कन्हैया लाल की... जैसे बधाई गीतों के बीच भक्तों को खिलौने,मेवे व फल की उछाल लुटाई इस दौरान कार्यक्रम स्थल भक्ति और और आस्था के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इस मौके पर व्यास पीठ से वृंदावन के परम पूज्य आचार्यश्री गोविन्द भैया महाराज ने कहा कि भक्त के भाव को, अपने इष्ट के प्रति भक्त की आस्था को केवल प्रभु ही समझ सकते है,इसीलिए जीव को अपना दुख संसार के सामने नहीं केवल प्रभु के सामने ही प्रकट करना चाहिए। प्रभु पालनहार है, वे शरण में आये भक्त के सारे दुखों को हर लेते हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रभु की हर इच्छा, प्रत्येक लीला को प्रसन्नता से स्वीकार करने वाला ही सच्चा भक्त होता है। भक्त को अपने आदर सत्कार या सम्मान की कामना नहीं होती। वह तो हर कार्य प्रभु की सेवा समझकर करता है और ऐसी भावना को ही प्रभु स्वीकार करते हैं वह तो केवल भाव के भूखें हैं,क्योंकि परमात्मा न तो साकार है न निराकार है वो तो भक्त की इच्छा के अनुसार तदाकार हैं। जैसे भक्त चाहता है उसे उसी रूप में प्रभु प्राप्त होते हैं। इस मौके पर महाराजश्री राम अवतार की कथा सुनाते हुए कहा कि राम अवतार की कथा श्रवण करने से हमारा मन पवित्र व निर्मल बनता है। इस मौके पर कथा के आयोजक रामस्वरूप पाटाणी,सुधीर-सोनू नाटाणी व सुनील-शालू नाटाणी ने श्रीमद भागवत की आरती उतारी व पूजन की। कथा के आयोजक रामस्वरूप पाटाणी,सुधीर-सोनू नाटाणी व सुनील-शालू नाटाणी ने बताया कि कथा प्रसंग के तहत शनिवार को माखन चोरी,बाललीला की कथा होगी। कथा 13 फरवरी तक रोजाना दोपहर 2 बजे से साम 5 बजे तक होगी।

विहान जैन कालाडेरा ने पाई सेकंड रैंक राजस्थान में

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान स्तर पर विज्ञान व गणित के ओलंपियाड में नेमिसागर कॉलोनी निवासी जे के जैन कालाडेरा के सुपोत्र विहान जैन ने पूरे राजस्थान में विज्ञान विषय में दूसरी रैंक पाकर समाज व परिवार का नाम ऊंचा किया।

शारीरिक विकास के साथ शिक्षा एवं संस्कार ग्रहण करने के लिए आने वाले

60 बच्चों के लिए गणवेश भेंट

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल एवम क्लब की पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु पाटनी के सहयोग से तीर्थराज पुष्कर स्थित ग्राम पंचायत गनाहेड़ा के आस पास बसी कच्ची बस्तियों में रहने वाले 60 ऐसे बच्चे जो प्रतिदिन मंडला फाउंडेशन गनाहेड़ा में शिक्षा के साथ शारीरिक विकास एवम संस्कार ग्रहण करने के लिए आते है के लिए गणवेश भेंट की गई। अध्यक्ष लायन घेवर चंद नाहर ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में मंडला फाउंडेशन के अध्यक्ष पवन शर्मा, मंत्री बुद्धि प्रकाश शर्मा,कोषाध्यक्ष यतेंद्र शर्मा को क्लब की सेवा सौंपी जहा ऐसे जरूरतमंद बच्चो को गणवेश वितरण की जाएगी। इस अवसर पर मंत्री बुद्धि प्रकाश शर्मा ने जानकारी दी कि प्रतिदिन शिक्षका रेखा शर्मा, राजेंद्र माथुर के माध्यम से इन बच्चो का निशुल्क शैक्षणिक कार्य करवाया जा रहा है।

भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संघ का निवाई से बिजोलिया के लिए होगा मंगल विहार

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में को गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ का श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अग्रवाल मंदिर निवाई से अतिशय क्षेत्र बिजोलिया के लिए मंगल विहार होगा। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि आर्यिका माताजी ससंघ जैन मंदिर से मंगल पद विहार करते हुए सांयकाल बरोनी गाँव पहुंचेंगे वहाँ से रविवार को सुबह विहार कर गाँव सोहेला जाएंगे। सोहेला से आहार चर्या के पश्चात टोंक होते हुए बिजोलिया जाएंगे।